vinetur

इटली में 2026 का वाइन उत्पादन 7.22% घटकर 4.11 करोड़ हेक्टोलिटर रहने का अनुमान

सूखे और पैदावार घटाने के प्रयासों से उत्पादन कम हुआ ; बाजार में 42.6 मिलियन हेक्टोलिटर का भंडार मौजूद है

गुरुवार, 8 अक्टूबर 2026



यूरोपीय आयोग के गुरुवार को जारी फसल अनुमानों के अनुसार, 2026 में इटली का वाइन और अंगूर-मस्ट उत्पादन 4.11 करोड़ हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है—एक साल पहले के मुकाबले 7.22% कम। यह लगभग 3.2 मिलियन हेक्टोलिटर की गिरावट है ; तुलनीय पिछला स्तर करीब 44.3 मिलियन हेक्टोलिटर था।

यह गिरावट ऐसी फसल के बाद आई है जिस पर कई क्षेत्रों में सूखे और उत्पादन सीमित करने के जानबूझकर किए गए प्रयासों का असर पड़ा। इटली के उद्योग संगठनों ने उत्पादकों से पैदावार घटाने का आग्रह किया था, ताकि बड़ी मात्रा में न बिके भंडार में और इजाफा न हो। उद्योग प्रतिनिधियों के हवाले से दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, देश में अब भी करीब 42.6 मिलियन हेक्टोलिटर वाइन का भंडार है। ऐसे में छोटी फसल कृषि के साथ-साथ बाजार प्रबंधन का मुद्दा भी बन गई है।

यूरोपीय संघ के स्तर पर वाइन और अंगूर-मस्ट उत्पादन 137.4 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है, जो पिछले साल से 1.2% कम है। यानी यूरोपीय संघ की कुल फसल करीब 1.67 मिलियन हेक्टोलिटर घट सकती है। पूरे समूह में सीमित गिरावट की वजह स्पेन और कई अन्य उत्पादक देशों में हुई मजबूत रिकवरी है, जिसने इटली की कमी के बड़े हिस्से की भरपाई की है।

स्पेन में उत्पादन 37.6 मिलियन हेक्टोलिटर रहने की उम्मीद है, जो पिछले साल से 13.4% अधिक और करीब 4.44 मिलियन हेक्टोलिटर की वृद्धि है। जर्मनी का उत्पादन 7.5 मिलियन से बढ़कर 8 मिलियन हेक्टोलिटर होने का अनुमान है। पुर्तगाल में यह 5.9 मिलियन से बढ़कर 6.6 मिलियन हेक्टोलिटर और रोमानिया में करीब 3.4 मिलियन से बढ़कर 4.4 मिलियन हेक्टोलिटर रहने की संभावना है। आयोग के अनुमानों के आधार पर, इटली यूरोपीय संघ का सबसे बड़ा उत्पादक बना हुआ है और मात्रा के लिहाज से स्पेन से आगे है।

आयोग के ये आंकड़े शुरुआती हैं, अंतिम नहीं। इस साल, पिछले सत्रों के विपरीत, सितंबर की शुरुआत में जारी होने वाले सामान्य फसल अनुमान प्रकाशित नहीं किए गए। मूल रिपोर्ट और उद्योग जगत की टिप्पणियों के अनुसार, इसकी वजह यह बढ़ता जोखिम है कि जलवायु परिवर्तन से जुड़ी मौसम की अस्थिरता शुरुआती पूर्वानुमानों और अंतिम नतीजों के बीच बड़ा अंतर पैदा कर सकती है। इससे फसल के दौरान लगाए जाने वाले अनुमानों की विश्वसनीयता कम हुई है।

आयोग की तालिका में फ्रांस का आंकड़ा इस समस्या का खास उदाहरण बन गया है। तालिका में अब भी फ्रांस की फसल 33.9 मिलियन हेक्टोलिटर दर्ज है, लेकिन फ्रांसीसी अधिकारियों ने 7 अक्टूबर को आधिकारिक संशोधित अनुमान जारी कर इसे 34.9 मिलियन हेक्टोलिटर बताया। इस अंतर के कारण फ्रांस के आंकड़े को सावधानी से देखना चाहिए ; मौजूदा तालिका में अन्य देशों के आंकड़ों से इसकी सीधे तुलना नहीं की जा सकती।

इटली में कम फसल पर करीबी नजर रखी जा रही है, क्योंकि इससे पहले खपत और भंडार—दोनों पर कई वर्षों से दबाव रहा है। घरेलू और निर्यात मांग मौजूदा भंडार को उस गति से खपाने के लिए पर्याप्त नहीं रही, जिसकी कई उत्पादक उम्मीद कर रहे थे। इसी वजह से कुछ वाइन संरक्षण संघों ने 2026 के बढ़वार सत्र से पहले और उसके दौरान पैदावार सीमित करने की मांग की। इसका उद्देश्य ऐसे बाजार में नई अतिरिक्त आपूर्ति से बचना था, जहां पहले से ही न बिके वाइन का बड़ा भंडार मौजूद है।

इटालियन वाइन यूनियन के अध्यक्ष लैम्बर्टो फ्रेस्कोबाल्डी ने कहा कि अगर अनुमानित फसल की पुष्टि होती है, तो यह दिखाएगा कि क्षेत्र मात्रा और गुणवत्ता के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ पिछले वर्षों की बड़ी फसलों के मुकाबले इस बार फसल छोटी होने के बावजूद गुणवत्ता की कुल संभावनाएं मजबूत दिखती हैं। उनके मुताबिक, यह नतीजा मुश्किल मौसम के अनुरूप ढलने और अंगूर की गुणवत्ता तथा उत्पादन की आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देने वाले उत्पादकों के प्रयासों से आया है।

यह दलील इटली के वाइन क्षेत्र की एक व्यापक चिंता को दर्शाती है। उत्पादक केवल सूखे और अंगूरों के असमान रूप से पकने जैसे मौसम संबंधी जोखिमों से ही नहीं जूझ रहे हैं। वे ऐसे बाजार में कीमतों और लाभ के मार्जिन को भी बचाने की कोशिश कर रहे हैं, जहां जरूरत से ज्यादा आपूर्ति दोनों पर दबाव डाल सकती है। इस संदर्भ में छोटी फसल भंडारण का दबाव घटाने और कम कीमतों पर बिक्री की जरूरत कम करने में मदद कर सकती है, हालांकि इसका असर आने वाले महीनों में अंतिम उत्पादन और मांग पर निर्भर करेगा।

इटालियन वाइन यूनियन के महासचिव पाओलो कास्तेलेत्ती ने कहा कि 2026 की फसल बाजार में बेहतर संतुलन बहाल करने के लिए पर्याप्त छोटी है या नहीं, यह बाजार तय करेगा। मौजूदा परिस्थितियों में उन्होंने उत्पादन में कमी को वांछनीय बताया और कहा कि उत्पादकों को उम्मीद है कि अंतिम फसल के आंकड़े शुरुआती आंकड़ों के करीब रहेंगे। उन्होंने यूरोपीय संघ से बाहर निर्यात में सुधार के संकेतों का भी उल्लेख किया। इनमें अमेरिका शामिल है, जहां समूह के अनुसार जुलाई और अगस्त में वापसी के बाद सितंबर में भी बढ़त जारी रही।

इटली का अनुमान इसलिए खास है क्योंकि इसमें दो ऐसे दबाव एक साथ दिखते हैं, जो हमेशा साथ-साथ नहीं चलते। एक पर्यावरणीय है, खासकर सूखा। दूसरा रणनीतिक है, जिसमें कुछ उत्पादक और संघ जानबूझकर उत्पादन सीमित कर रहे हैं। इससे समझ आता है कि क्षेत्र में 7.22% की गिरावट को केवल नकारात्मक घटनाक्रम क्यों नहीं माना जा रहा। कई उत्पादकों के लिए इस साल बड़ा सवाल यह है कि क्या कम उत्पादन गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाए बिना आपूर्ति को मांग के करीब ला सकता है।

गिरावट के बावजूद, इटली का अनुमानित 41.1 मिलियन हेक्टोलिटर उत्पादन उसे दुनिया के प्रमुख वाइन उत्पादकों में मजबूती से बनाए रखता है। लेकिन 2026 का सत्र यह भी दिखाता है कि यूरोपीय बाजार की संरचना किस तरह बदल रही है। 2025 में कमजोर फसल वाले देश उत्पादन फिर बढ़ा रहे हैं, जबकि दूसरे देश भंडार, कीमतों और जलवायु जोखिम के जवाब में उत्पादन में बदलाव कर रहे हैं। नतीजतन, यूरोप की कुल फसल में केवल मामूली कमी आ रही है, जबकि अलग-अलग उत्पादक देशों के नतीजों में काफी अंतर है।

व्यापारियों और वाइनरी के लिए आगे की स्थिति इस बात पर निर्भर करेगी कि ये अनुमान अंतिम फसल के आंकड़ों से कितने मेल खाते हैं और यूरोपीय संघ से बाहर निर्यात में हालिया सुधार जारी रहता है या नहीं। स्पेन में उत्पादन की वापसी और जर्मनी, पुर्तगाल तथा रोमानिया में अधिक मात्रा से व्यापक यूरोपीय बाजार में आपूर्ति संबंधी कुछ चिंताएं कम हो सकती हैं। हालांकि, इटली में ध्यान इस पर है कि क्या छोटी फसल बड़े मौजूदा भंडार का दबाव घटाने के साथ अंगूर की गुणवत्ता और बाजार मूल्य को बनाए रखने में मदद कर सकती है।